capacities and where use of other fuels is not feasible.

Government has decided to dismantle Administered Pricing Mechanism (APM) in petroleum sector in phases. Consequently, oil companies have been allowed to fix the prices based on market considerations effective from 1.4.1998 for all petroleum products other than Motor Spirit (MS), Superior Kerosine Oil (SKO), High Speed Diesel (HSD) and Aviation Turbine Fuel (ATF).

So far as coal based generation is concerned, usually Non-coking coal to D to P grade is being used for power generation. Government has deregulated the price of D grade of non-coking coal with effect from 12.3.1997 and has also decided to allow the nationalised coal companies (Coal India Limited and Singareni Collieries Company Limited) to fix the prices of E, F and G grades of non-coking coal once in every six months with effect from 13.3.1997.

Foreign training to SC/ST officers of Central Electricity Authority

2434. SHRI GANDHI AZAD: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) whether there is any discrimination in sending Class-I SC/ST officers of Central Electricity Authority for foreign tours, training and assignments;

(b) if so, what action Government propose to remove this discrimination to protect the interest of SC/ST officers;

(c) if not, whether adequate number of SC/ ST officers are being sent on proportionate basis for such trainings etc. every year, and

(d) the details of all the officers sent abroad during the last three years, indicating the number of SC/ST officers?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI PR. KUMARAMANGALAM): (a) No, Sir.

(b) Not applicable.

(c) Yes, Sir. Adequate representation has been given to all deserving officers including SC/ST Groups-A officers without any discrimination.

(d) Details of Group-A officers (including SC/ST officers) trained/deputed abroad during the last 3 years (for 1995-96,1996-97 and 1997-98) is given in the Annexure.

[*See* Appendix 186, Annexure No. 41]

मध्य प्रदेश के गांवों का विद्युतीकरण

2435. **श्री दिलीप सिंह चूदेवः** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) 28.2.99 की स्थिति के अनुसार मध्य प्रदेश के कितने गांव जिले-वार अविद्युतीकृत हैं,

(ख) ग्रामीण विद्युतीकरण निगम द्वारा वर्ष 1996-97 से 1998-99 तक प्रति वर्ष गांवों के जिले –वार विद्युतीकरण हेतु कितनी धनराशि उपलब्ध कराई गई हैं, और

(ग) विद्युतीकरण गांवों में विद्युत लाइनों के विस्तार सबंधीं सुविधा एवं योजना हेतु सहायता दिए जाने का ब्यौरा क्या है?

विद्युत मंत्री तथा संसंदीय कार्य मंत्री और गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्त्रोत मंत्री (श्री पी.आर.कुमारमंगलम) : (क) उपलब्ध सूचना के अनुसार वर्ष 1991 की जनगणना के अनुसार मध्य प्रदेश में परिवर्तित 71526 बसे हुए गांवों में से 3373 बसे गांवों को 28.2.99 तक विद्युतीकरण किया जाना शेष था। कई गैर-विद्युतीकृत गांवों का जिला –वार ब्यौरा विवरण-। में दिया गया है (नीचे देखिए)।

(ख) वर्ष 1996-97 से 1998-99 (3.31999) की अवधि के दौरान गांवों के विद्युतीकरण हेतु ग्रामीण विद्युतीकरण निगम द्वारा जिला-वार प्रदान की गई धनराशि का वर्ष-वार ब्यौरा विवरण-। में दिया गया है । (नीचे देखिए)

(ग) विद्युतीकरण गांवों के सघन विद्युतीकरण के क्रियान्वयन का निर्णय संबंधित राज्य विद्युत बोर्डों द्वारा लिया जाता है । ग्रामीण विद्युतीकरण निगम (आर.ई.सी.) केवल स्कीम के लिए लागू मानदंडों के अनुसार ग्रामीण विद्युतीकरण स्कीमों को स्वीकृति प्रदान करता है । वर्तमान में आर.ई.सी. विद्युतीकरण गांवों के सघन विद्युतीकरण के लिए प्रत्येक आर.ई.स्कीमों के लिए 5 करोड़ रूपये की ऋण सहायता स्वीकृत करता है।